न्यायालय जिला कलेक्टर (आर्बिट्रेटर) सवाई माधोपुर

प्रा.पत्र. (आर्बिट्रेशन) संख्या 36/20 **वर्ष 2020**

GCMS No- 2020/00133

बउनवानी:–1 फूलचन्द पुत्र गिर्राज जाति मीना निवासी डेहकवा,तह0 व जिला सवाईमाधोपुर

बनाम

1. सक्षम प्राधिकारी(भूमि अवाप्ति) एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर
2. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जरिये परियोजना निदेशक परियोजना कियान्वयन, सवाईमाधोपुर, ए–45–46 तिरपति बिहार ब्लॉक ई छत्रपुरा बूंदी, हाल सवाईमाधोपुर
3. मोती लाल पुत्र गिर्राज जाति मीना निवासी डेहकवा,तह0 व जिला सवाईमाधोपुर

(प्रार्थना अन्तर्गत धारा 64 राईट टू फेयर कम्पेशेषन एण्ड ट्रांसपेरेन्सी इन लेण्ड एक्ज्यूजेशन रिहेबिलिटेशन एण्ड डी सेटलमेंट एक्ट,2013 विरूद्व नोटिस कमांक/पीए/भू0अवा0/संरचना/2020/385 दिनांक 27.8.2020 ख0न0 2045 वाके ग्राम डेहकवा (अति0 जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर) भूमि अवाप्ति अधिकारी जिला सवाईमाधोपुर),

उपस्थित:–1. श्री उमाशंकर शर्मा वकील प्रार्थी
2. श्री अशोक शर्मा वकील अप्रार्थी

–: निर्णय :– **दिनांक:– 14.07.2021**

प्रार्थीगण द्वारा यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 64 राईट टू फेयर कम्पेशेषन एण्ड ट्रांसपेरेन्सी इन लेण्ड एक्ज्यूजेशन रिहेबिलिटेशन एण्ड डी सेटलमेंट एक्ट,2013 के अन्तर्गत इस न्यायालय में प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि भूमि अवाप्ति अधिकारी अति0जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर द्वारा प्रार्थी की भूमि एन.एच.148 के निर्माण हेतु अवाप्त किये जाने बाबत जारी नोटिस कमांक/पीए/भू0अवा0/संरचना/2020/385दिनांक 27.8.2020विधि विरूद्व व वास्तविक तथ्यों के विपरीत होने के कारण उक्त नोटिस को निरस्त करवाने बाबत इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

प्रार्थना प्रस्तुत पत्र होने पर न्यायालय हाजा में दर्ज रजिस्टर किया जाकर अदालत मातहत का मूल अभिलेख अवलोकन हेतु तलब किया गया साथ ही विपक्षीगणों की भी तलवी जरिये नोटिस की गयी। तत्पश्चात बहस वकील उभय पक्ष सुनी गयी।

वकील प्रार्थी ने दौराने बहस कथन किया कि प्रार्थना पत्र मे वर्णित ख0न0 2045 ग्राम डेकवा की भूमि पर 25 वृक्ष अमरूद के 10 वर्ष पुराने, 2 वृक्ष नींबू के 5 वर्ष पुराने एवं 5 वृक्ष नीम के 5 वर्ष पुराने लगे हुए है किन्तु अवार्ड सूची में अमरूदों के 15 वृक्ष ही बताये गये है बाकी वृक्ष दर्ज नही किये गये है। यह है कि उक्त वृक्षो का मुआवजा प्रार्थी के सगे भाई अप्रार्थी संख्या 3 मोती लाल के नाम जारी किया गया है जबकि 1992 मे मौखिक भाई बटवारा हो चुका है । उक्त ख0न0 की भूमि प्रार्थी के कब्जे मे है एवं प्रार्थी आज तक काश्त करता आ रहा है। इसके अतिरिक्त प्रार्थीगण का संयुक्त खाता संख्या 384 भी संयुक्त खातेदारी मे है मौके पर मौखिक भाई बटवारा करवा रखा है जिससे अलग–अलग खे[illegible]जि है। अतः प्रार्थी के भाई अप्रार्थी संख्या 3 मोती लाल पुत्र गिर्राज मी[illegible] 24,980/–रू का भुगतान को प्रार्थी को दिलवाया जावे। उक्त संबंध मे [illegible] द्वारा दिनांक 15.9.2020 को सक्षम प्राधिकारी एवं भूमि अवाप्ति अधिकारी, अति0 जिला कलेक्टर सवाईमाधोपुर के [illegible] आपत्ति प्रस्तुत की गयी थी जिसका भी निस्तारण नही किया गया है। अतः उक्त भूमि प[illegible] हुए वृक्षो का अवार्ड प्रार्थी के नाम पारित करवाने बाबत वकील प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Rajendra Kishan
Date: 2021.10.22 16:38:02 IST
Reason: SelfAttested

Gu.
जिला कलेक्टर
सवाई माधोपुर

(प्रा.पत्र. (आर्बिट्रेशन) संख्या 36/2020 फूलचन्द बनाम सक्षम अधिकारी भूमि अवाप्ति)

विद्वान वकील अप्रार्थी संख्या 2 द्वारा दौराने बहस कथन किया कि केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के प्रावधान के अनुसार सवाईमाधोपुर जिलें मे ए.एच.148एन के कि.मी. 236 से कि.मी.304.4 तक के भूखण्ड के निर्माण (चौडीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2–लेन/4–लेन का बनाना आदि) अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचलन के लोक प्रयोजन के लिये अवाप्ति की कार्यवाही भूमि अवाप्ति हेतु अवाप्ति अधिकारी नियुक्त किया जाता है तत्पश्चात राजमार्ग के प्रावधान 3(ए) की अधिसूचना दिनांक 21.8.2018 को अधिसूचना जारी की गयी जिसके परिप्रेक्ष्य मे जो आपत्तियॉ की गयी उनका धारा 3 सी के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा निस्तारण किया गया। उसके पश्चात सक्षम प्राधिकारी द्वारा 3डी की उपधारा 1 के अन्तर्गत अवाप्त की जाने वाले भूमि की अधिसूचना जारी करने हेतु रिपोर्ट भेजी गयी जिसके आधार पर दिनांक 4.1.2019 को 3(डी) की अधिसूचना जारी की गयी जिसमे अवाप्त भूमि की ***किस्म चाही–3*** दर्ज करते हुए स्वामित्वधारी का उल्लेख किया गया। इस अधिसूचना के राजपत्र मे प्रकाशन पर उक्त अनुसूचित मे विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमो से मुक्त होकर आत्यान्तिक रूप से केन्द्र सरकार मे निहित हो जावेगी। अधिसूचना जारी कर प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवाप्त की गयी भूमि पर स्थित भवन, वृक्षो व फसल आदि की धनराशि (Section 29 RFCTLARR act-2013) भूमि अर्जन, पुर्नवासन एवं पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम,2013 की धरा–30 की उपधारा–1 के अनुसार अर्जित भूमि पर स्थित भवन और अन्य स्थावर सम्पत्ति या आस्तियो के बाजार मूल्य का अवधारण करने के लिए सुसंगत क्षेत्र मे किसी सक्षम इंजीनियर या ऐसे किसी अन्य विशेषज्ञ की सेवा का उपयोग परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पत्र संख्या भारारापा्र/पकाई/सवाईमाधोपुर/83 दिनांक 30.1.2019 के क्रम में अर्जित भूमि पर स्थित भवन इत्यादि परिसम्पत्ति का मूल्यांकन/सत्यापन सार्वजनिक निर्माण विभाग से कराकर रिपोर्ट अधीक्षण अभियंता सा0नि0वि0 सवाईमाधोपुर के पत्रांक 584 दिनांक 29.5.2019 द्वारा तथा अर्जित भूमि पर स्थित निजी वृक्षो का मूल्यांकन वन विभाग से करवाकर रिपोर्ट सहायक निदेशक उद्यान सवाईमाधोपुर के पत्र संख्या एडीएच/एसडब्ल्यू/2019/323 दिनांक 22.5.2019 द्वारा सक्षम प्राधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करवायी जाने पर मुआवजा हेतु अवार्ड निधारण किया जाता है।

यह भी तर्क दिया कि प्रार्थी की भूमि ख0न0 2041 के रकबा मे से 0.14 है0 किस्म चाही–3 एन.एच. एक्ट के प्रावधानानुसार अवाप्त की गयी है। उक्त भूमि राजस्व रिकार्ड में मोतीलाल के नाम दर्ज है इसलिए उक्त भूमि का हितधारी मोतीलाल होने के कारण उस पर लगे हुए 15 अमरूद के वृक्षो का अवार्ड भी मोतीलाल के नाम ही पारित किया गया है तथा उक्त भूमि पर 15 अमरूद के वृक्षो के अलावा अन्य कोई वृक्ष नही है। यह भी तर्क दिया अप्रार्थी द्वारा अधिनियम के प्रावधान के अनुसार 3(डी) की अधिसूचना जारी की गयी उसमे अवाप्त की गयी आराजी के हितबद्व खातेदारों के नाम का उल्लेख किया गया है तथा स्वामित्व का निर्धारण किये जाने का क्षेत्राधिकार एवं श्रवणाधिकार मध्यस्थ न्यायालय को प्राप्त नही है। उक्त ख0न0 2045 की भूमि एवं उस पर लगे हुए अमरूद के वृक्षो का मालिकाना हक प्रार्थी का होने बाबत ऐसा कोई विधिक साक्ष्य वकील प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत नही किया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Rajendra Kishan
Date: 2021.10.22 16:38:02 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलेक्टर
सवाई माधोपुर

....(2)....

अतः प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत उक्त आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र तथ्यहीन होने के कारण खारिज फरमाये जाने बाबत वकील अप्रार्थी द्वारा निवेदन किया।

वकील उभय पक्षो की बहस सुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन एवं मनन करने के उपरान्त मै इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि प्रार्थी द्वारा अपने प्रार्थना पत्र में प्रथम अनुतोष ग्राम डेहकवा की अवाप्त भूमि ख0न0 2045 रकबा 0.14 है0 एवं उस पर लगे हुए अमरूद के 25 वृक्षो, नीबू के 2 वृक्ष एवं नीम के 5 वृक्षो का मुआवजा अप्रार्थी संख्या 3 मोती लाल पुत्र गिर्राज मीना के स्थान पर स्वंय के नाम करवाने बाबत चाहा गया है। जबकि मुताबिक राजस्व रिकार्ड एवं सर्वे सूची तथा अंश एवं हिस्से के अनुसार उक्त ख0न0 पर अप्रार्थी संख्या 3 का स्वामित्व होने के कारण उस पर लगे हुए 15 अमरूद के वृक्षो का मुआवजा अप्रार्थी संख्या 3 मोतीलाल के नाम जारी किया गया है। उक्त भूमि पर 15 अमरूद के वृक्षो के अलावा अन्य कोई वृक्ष नही है। इस प्रकार वकील प्रार्थी द्वारा किये गये कथन के समर्थन ऐसा कोई साक्ष्य सबूत प्रस्तुत नही किया जिसके आधार पर यह माना जा सके कि ख0न0 2045 की भूमि प्रार्थी के अंश एवं हिस्से की हो तथा उस पर 15 अमरूद के वृक्षो के अलावा नीबू एवं नीम के वृक्ष भी लगे हो। इसके अतिरिक्त यह भी उल्लेखनीय है कि स्वामित्व संबंधी निर्धारण करने का क्षेत्राधिकार व श्रवणाधिकार इस न्यायालय को प्राप्त नही होने के कारण उक्त अनुतोष प्रार्थीगण को इस न्यायालय द्वारा प्रदान नही किया जा सकता है। अतः दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में वकील प्रार्थी के कथन से न्यायालय सहमत नही है परन्तु वकील अप्रार्थी द्वारा किये गये कथन से न्यायालय पूर्णतया सहमत है। इस प्रकार प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत उक्त प्रार्थना पत्र साक्ष्य दस्तावेजात के अभाव में निराधार प्रतीत होता है।

उक्त विवेचन के आधार प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र खारिज योग्य पाया जाता है। अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो एवं बाद तकमील दाखिल अभिलेख की जावे।

निर्णय आज दिनांक 14.7.2021 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय मे सुनवाया गया।

(राजेन्द्र किशन)
जिला कलेक्टर
सवाईमाधोपुर

Signature Not Verified

Digitally signed by Rajendra Kishan
Date: 2021.10.22 16:38:02 IST
Reason: SelfAttested